



Shovana Narayan *IA&AS retd*
Kathak Guru (Padmashri & central Sangeet Natak Akademi awardee)

Most Urgent

16th March, 2016.

To,
The Secretary,
Sangeet Natak Akademi, (ICH Division)
2nd Floor, Rabindra Bhawan (Opp. Mandi House Doordarshan Kendra),
35 Feroze Shah Road, New Delhi -110001.

Subject: First Report on “Kathak Villages: Intangible Cultural Heritage of India: A Documentation Project” under ‘Safeguarding the Intangible Cultural Heritage and Diverse Cultural Traditions of India’ 2015-16

(Sanction No: 28-6/ICH-Scheme/ 21/2015-16 dated 27th January 2016)

Sir/ Madam,

Reference Sanction No: 28-6/ICH-Scheme/ 21/2015-16 dated 27th January 2016 regarding the project “Kathak Villages: Intangible Cultural Heritage of India: A Documentation Project” under 'Safeguarding the Intangible Cultural Heritage and Diverse Cultural Traditions of India' 2015-16, I am attaching/ enclosing herewith the First Report within the prescribed three (3) months from issue of sanction by the SNA/ Ministry.

Kindly acknowledge receipt.

Thanking you,

Yours faithfully

(Shovana Narayan)



Subject: Report on “Kathak Villages: Intangible Cultural Heritage of India” - A Documentation Project under 'Safeguarding the Intangible Cultural Heritage and Diverse Cultural Traditions of India' 2015-16

In pursuance of SNA Sanction No: 28-6/ICH-Scheme/ 21/2015-16 dated 27 January 2016 related to the above mentioned Documentation Project, the First Report is as follows:

The documentation of Kathak Villages commenced with study of the Census of India 2011 and culling out the Kathak Villages that formed part of the Census data. These were as follows:

1. Nasirpur Kathak Village with Census of India Village - Code 203586. It is located in Jakhania Tehsil of Ghazipur district, Uttar Pradesh.
2. Paraspur Kathak Village with Census of India Village - Code 203699. It is located in Jakhania Tehsil of Ghazipur district, Uttar Pradesh.
3. Chak Kathak Village with Census of India Village - Code 206307. It is located in Mohammadabad Tehsil of Ghazipur district, Uttar Pradesh.
4. Kathak Purwa Village with Census of India Village - Code 182380. It is located in Khalilabad Tehsil of Sant Kabir Nagar district, Uttar Pradesh.
5. Gaur Kathak Village with Census of India Village - Code 231874. It is located in Maharajganj C.D.Block of Siwan district, Bihar.
6. Jagir Kathak Village with Census of India Village - Code 254826. It is located in Tekari C.D.Block of Gaya district, Bihar.

Based on the information, we ie Ms. Gitika Kalha (retd IAS), Dr Kamal Kishor Mishra (Sanskrit, Epigraphy scholar) and myself commenced with primary data collection and documentation by making field trip/ visit to all the identified Kathak Villages. In addition, four other villages were also visited. These were Hariharpur near Sant Kabir Nagar in UP, Kathak Bigha, Kathak Gram and Isarpur in Bihar. Since the census includes villages which have a population of not less than 4000, two Kathak villages near Gaya, Kathak Bigha and Kathak Gram did not find mention. Photo of the school board sporting the address is informative as that of the plaque at the Devi Temple at Tekari.

Our itinerary was as follows:

ITINERARY for Kathak Villages

New Delhi to Varanasi:

In Varanasi: Meeting with the Raja of Benaras

Varanasi to Ghazipur:

In Ghazipur, we visited the following places where we also met local villagers, artistes and other prominent people:

- a) District Headquarters to study old records from the colonial era;
- b) Nasirpur Kathak Village, Jakhania Tehsil:
- c) Paraspur Kathak Village, Jakhania Tehsil:
- d) Chak Kathak Village, Mohammadabad Tehsil:

Ghazipur to Hariharpur (in Sant Kabir Nagar district): Visited the following places:

- a) District Headquarters: to study old records from the colonial era;
- b) Hariharpur Village:

Hariharpur to Kathak Purwa Village in Khalilabad Tehsil, Sant Kabir Nagar district:

- a) Kathak Purwa Village visit

Sant Kabir Nagar to Siwan: Visited the following places in Siwan District:

- b) District Headquarters
- c) Gaur Kathak Village, Maharajganj CD Block, Siwan district

Siwan to Gaya: Visited the following places

- a) District Headquarters at Gaya
- b) Jagir Kathak Village, Tekari CD Block, Gaya district, Census of India Code 254822
- c) Kathak Jagir, Census of India Code Code 254826

(There are two Jagir Kathak Villages with two different Codes)

- d) Kathak Gram, Tekari CD Block, Gaya district
- e) Kathak Bigha, GT Road, Amas, Gaya district.
- f) Isarpur, Paraiya block of Gaya district, Bihar

(According to Census 2011 information the location code or village code of Amas village is 255844. Amas village is located in Amas Tehsil of Gaya district in Bihar, India. Amas is nearest town to Amas village)

In all the villages, the local villagers were interviewed and information gleaned about oral history and memories regarding the following:

1. The reason as to why these villages were named after Kathak,
2. When, according to them, did the Kathak Villages come into being,
3. what was the caste of these Kathaks,
4. what and where did they perform;

In the District Headquarters, old land records dating back to the colonial period, old gazetteers were studied.

Few Photos of land records and meetings with villagers at various places are attached herewith.

कथक नृत्यांगना पहुंची कथक बिगहा

संवाद सहयोगी, टिकारी (गया) : देश की सुप्रसिद्ध कथक नृत्यांगना पद्मश्री शोभना नारायण बुधवार को टिकारी क्षेत्र का दौरा की। अपने दौर के क्रम में सर्वप्रथम वो टिकारी किला के जीर्ण-शीर्ण हिस्से का अवलोकन की। और उसके पश्चात प्रखंड के कथक बिगहा गांव गयी।

कथक बिगहा गांव टिकारी राज के समय का बसाया हुआ प्राचीन गांव है। जो कथक नृत्य के लिए मशहूर था। शोभना नारायण ने यहां के वयोवृद्ध परमेश्वर महतो सहित अन्य ग्रामीणों से मिली। और गांव के नामकरण से वर्तमान स्थिति की जानकारी ली।

ग्रामीणों ने उन्हें गांव का इतिहास बताते हुए कहा कि यह गांव महारानी भुनेश्वरी कुंवर ने 130 वर्ष पूर्व 52 बीघा जमीन पर बसायी थी। यहां 40 से 50 की संख्या में कथक रहते थे। जो महारानी कुंवर के हल में आयोजित होने वाले समारोह में अपने नृत्य व गायन का प्रदर्शन करते थे। ग्रामीणों ने बताया कि इस स्थल की खुदाई में घुंघरू, कड़े, पखावज आदि खंडित मिले हैं। शोभना नारायण के



देखा और साथ रहे पदाधिकारियों व स्थानीय लोगों से टिकारी राज और किला के इतिहास के बारे में जानकारी ली। किला के बनावट और कला शैली को सराहा। लेकिन इसकी दुर्दशा पर दुख व्यक्त की।

विलुप्त होती कथक पर होगा शोध

कथक नृत्यांगना शोभना नारायण विलुप्त होती कथक नृत्य पर शोध के दौरान कथक बिगहा पहुंची थी। इसी क्रम में वे कथक की इतिहास को खंगालने कथक बिगहा को बसाने वाले टिकारी राज परिवार व किला की पूरी जानकारी संग्रहित करती रही। उनके आगमन से ग्रामीणों में खुशी थी। खासकर युवा पीढ़ी जिसने कथक बिगहा का केवल इतिहास पढ़ा और लोगों से सुना था। लेकिन आज देश की प्रख्यात कथक नृत्यांगना को कथक बिगहा की मिट्टी स्वतः खींच लायी थी। सो सभी उनके आगमन से हतप्रभ भी थे।

टिकारी किला को देखती कथक नृत्यांगना

किला को कैमरे में किया कैद

टिकारी किला व कथक बिगहा परिभ्रमण के दौरान शोभना नारायण ने सभी दृश्य को अपने कैमरे में कैद की। उन्होंने टिकारी किले के प्राचीन कलाकृतियों, नक्कासी, 52 अंगना, नाच घर, श्रंगार कक्ष, भूमिगत सुरंग आदि को

कथक नृत्यांगना शोभना नारायण पहुंची गया

♦ टिकारी किला के अवशेषों का किया अवलोकन

जासं, टिकारी (गया): सुप्रसिद्ध कथक नृत्यांगना पद्मश्री शोभना नारायण ने बुधवार को टिकारी क्षेत्र का दौरा किया। टिकारी किला के जीर्ण-शीर्ण हिस्से का अवलोकन किया। उसके पश्चात प्रखंड के कथक बिगहा गांव गई। कथक बिगहा गांव टिकारी राज के समय का बसाया हुआ प्राचीन गांव है। जो कथक के लिए मशहूर था। शोभना नारायण यहां ग्रामीणों से मिलीं। टिकारी किला व कथक बिगहा परिभ्रमण के दौरान शोभना नारायण ने दृश्यों को अपने कैमरे में कैद किया। शोभना नारायण विलुप्त होती कथक नृत्य कला पर शोध के लिए कथक बिगहा पहुंची थी। वे कथक बिगहा को बसाने वाले टिकारी राज परिवार व किला की जानकारी संग्रहित करती रहीं।



टिकारी किला देखती शोभना नारायण

कथक पर शोध को नृत्यांगना शोभना नारायण टिकारी पहुंची

टिकारी | एक संवाददाता

प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना शोभना नारायण बुधवार को टिकारी के जागीर कथक गांव पहुंची। शोभना नारायण ने कथक नृत्य से इस गांव के जुड़ाव और इस गांव को लेकर कई तरह की जानकारी ली। पंजाब कैडर की सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी गीतिका काहलोर उनके साथ थीं। शोभना कथक नृत्य पर शोध कर रही हैं। इसी सिलसिले में वह इस गांव में आई थीं। टिकारी प्रखंड को महमना पंचायत के जागीर कथक गांव और भोरी के जागीर कथक टोला का दोनों

ने मुआयना किया। कथक विंगहा के सबसे बूढ़े 105 वर्षीय परमेश्वर महतो से दोनों ने बातचीत की। कथक नर्तकों के दल को टिकारी की रानी ने बसाया था। ग्रामीणों ने बताया कि टिकारी राज की रानी मुनेश्वरी कुंवर ने करीब सवा सौ साल पहले नर्तकों एवं नर्तकियों के एक दल को 52 बिगहा की जागीर देकर बसाया था। इसी कारण इस गांव का नाम जागीर कथक पड़ा था। ग्रामीणों ने बताया कि तीन-चार दशक पूर्व खुदाई में चुंभरू, कड़े आदि हमेशा मिलते थे। रानी मुनेश्वरी कुंवर के महल में ये कथक नर्तकों के दल नृत्य किया करते थे। ये

किया मुआयना

- महमना गांव के जागीर कथक गांव में ग्रामीणों से की मुलाकात
- टिकारी के ऐतिहासिक किला परिसर का किया मुआयना
- विलुप्त होते कथक नृत्य को लेकर कर रही हैं शोध

उस गांव में अभ्यास भी किया करते थे। कला संस्कृति विभाग भारत और बिहार सरकार की टीम भी गांव का दौरा कर चुकी है। किले का भी लिया जायजा : कथक नृत्यांगना ने अपनी टीम के साथ

टिकारी के ऐतिहासिक किले का भी भ्रमण किया। किला के संस्थापक राजा सुंदर शाह से लेकर अंतिम प्रतापी राजा कैप्टन गोपाल शरण सिंह के बारे में अहम जानकारियां ली। किला के प्राचीन कलाकृतियों, नक्कासी, नाच घर, 52 आंगन, श्रृंगार कक्ष, भूमिगत सुरंग को देखा। सारी यादों को उन्होंने अपने कैमरे में कैद किया। जिला के वरीय उप समर्थता सह जिला प्रभारी पर्यटन एवं कला संस्कृति विभाग के केके यादव, एसडीओ किशोर कुमार, डीसीएलआर अनीस अख्तर, बीडीओ वेद प्रकाश, सीओ विधानचंद्र राय मौजूद थे।



बुधवार को टिकारी में किला का भ्रमण करती मराहू कथक डॉक्टर और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी गीतिका। • हिन्दुस्तान

गौर कथक पहुंचकर भाव विभोर हुई पद्मश्री शोभना



अम्बिका मल्लिक के परिजनो से बात करती पद्मश्री शोभना नारायण

संसू, महाराजगंज (सिवान) : कथक नृत्यांगना पद्मश्री शोभना नारायण मंगलवार को सिवान जिले के महाराजगंज प्रखंड के गौर कथक गांव पहुंचीं। यह प्रसिद्ध कथक विशेषज्ञ पंडित अम्बिका मल्लिक का पैतृक गांव है। पंजाब कैडर की सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी गीतिका काहलोर के साथ आई शोभना नारायण स्व.मल्लिक के परपोते मिश्र बंधुओं सत्येंद्र मिश्र और करुणाकान्त मिश्र से मिलीं और कथक के प्रति परिवार के लगाव को सराहा।

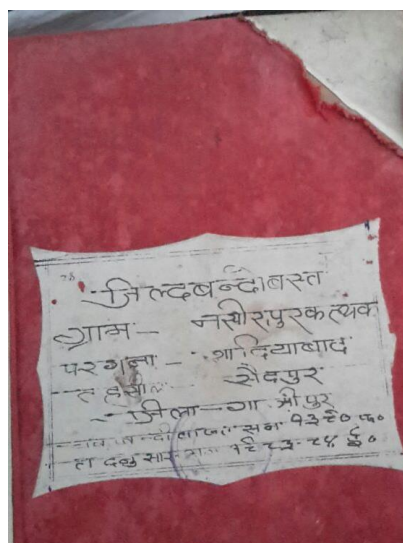
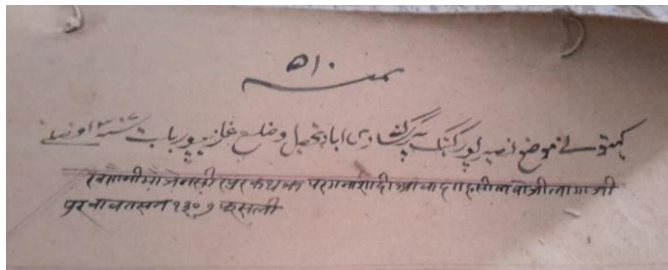
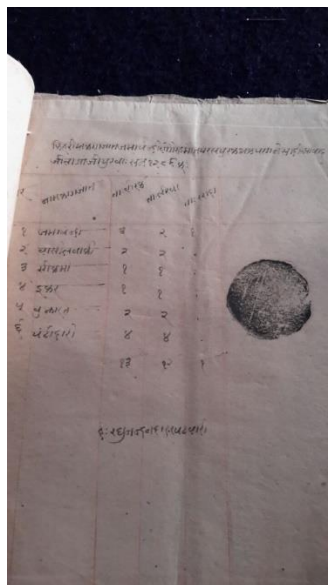
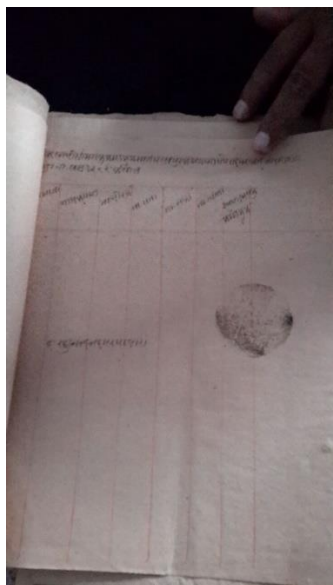
विश्व स्तर की नृत्यांगना के गांव में आने पर न केवल मिश्र परिवार, बल्कि पूरे गांव में उत्साह का वातावरण देखा गया। दोनों भाइयों ने शोभना नारायण को बताया उनके परदादा अम्बिका मल्लिक 1917 में ही कथक एवं शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में प्रसिद्ध हो गए थे। तब से यह परिवार इस विधा को समर्पित है। बातचीत के क्रम में माली हालत खराब होने की जानकारी मिलने पर शोभना

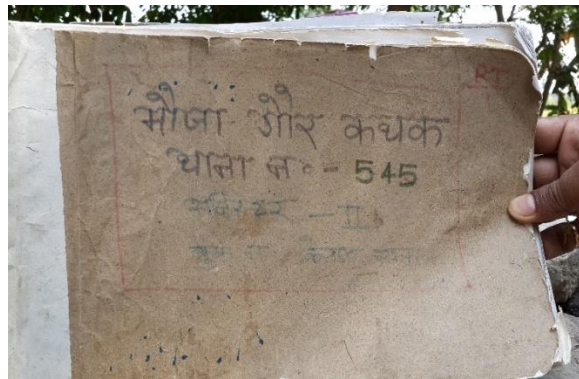
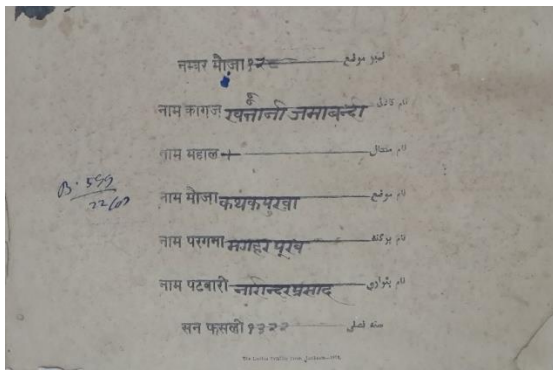
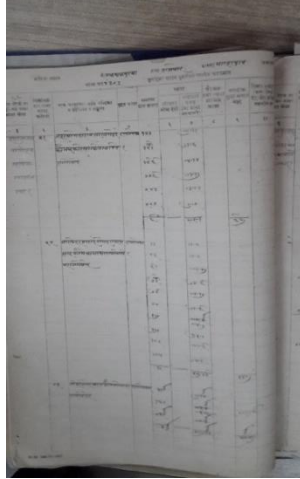
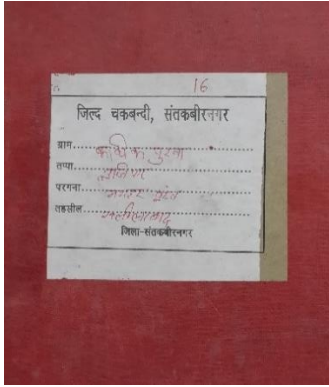
- ♦ एसडीएम से परिवार की आर्थिक हालत की ली जानकारी
- ♦ मिश्र बंधुओं से सुना शास्त्रीय संगीत, उनके बेटों को गले लगाया

नारायण ने घर के अंदर भी जाकर देखा और साथ गए अनुमंडलाधिकारी मनोज कुमार से उनकी परिसंपत्तियों का विवरण देने का आग्रह किया। एसडीओ ने मौके पर मौजूद सीओ संतोष कुमार से तुरन्त विवरण लेकर शोभना नारायण को सौंपा।

उन्होंने गांव में सड़क, बिजली और विद्यालय की भी जानकारी ली। शोभना नारायण ने दोनों भाइयों से शास्त्रीय संगीत सुनाने का आग्रह किया। इसपर दोनों ने अपनी प्रस्तुति से उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया। दोनों के पुत्र अभय प्रकाश मिश्रा (11) व राजन कुमार मिश्रा (17) के तबले की संगत पर खुशी से दोनों को गले लगाया।









Shovana Narayan *IA&AS retd*
Kathak Guru (Padmashri & central Sangeet Natak Akademi awardee)

5th October, 2016.

To,
The Secretary,
Sangeet Natak Akademi, (ICH Division)
2nd Floor, Rabindra Bhawan (Opp. Mandi House Doordarshan Kendra),
35 Feroze Shah Road, New Delhi -110001.

Subject: Second Report on “Kathak Villages: Intangible Cultural Heritage of India: A Documentation Project” under ‘Safeguarding the Intangible Cultural Heritage and Diverse Cultural Traditions of India’ 2015-16

(Sanction No: 28-6/ICH-Scheme/ 21/2015-16 dated 27th January 2016)

Sir/ Madam,

Reference Sanction No: 28-6/ICH-Scheme/ 21/2015-16 dated 27th January 2016 regarding the project “Kathak Villages: Intangible Cultural Heritage of India: A Documentation Project” under 'Safeguarding the Intangible Cultural Heritage and Diverse Cultural Traditions of India' 2015-16, I am attaching/ enclosing herewith the **SECOND Report** of the second phase of the Tour undertaken from 1st Sept to 5th Sept 2016 **with respect to the Documentation of “Kathak Villages”**.

A copy of the same was handed over to Secretary, Ministry of Culture yesterday (ie on 4th October 2016)

Kindly acknowledge receipt.

Thanking you,

Yours faithfully

(Shovana Narayan)



Shovana Narayan *IA&AS retd*
Kathak Guru (Padmashri & central Sangeet Natak Akademi awardee)

Kathak Villages Documentation: Report of Second Tour (1st September to 5th September 2016)

The districts and villages tour of central UP as undertaken by **Shovana Narayan (Padmashri, Kathak Guru)**, **Geetika Kalha (retd IAS)** and **Dr Prerna Kumar (research assistant)** from 1st September to 5th September 2016.

Ayodhya: We met and interviewed members of the Royal family of Ayodhya, Raja Bimlendra Pratap Mishra and his son, Dr Yatindra Mishra. We also interacted with the Town Magistrate, Shri DP Singh. We then interacted with two Mahants, Ratnesh ji and Mithilesh Nandinisharan ji who enlightened us with subtle differences between the terms Kathak and Kathavachak; They also spoke about the three ways of communication viz. Veda sammit updes, Purana sammit updes and Kanta sammit updes. We were also taken to Kanak Bhawan Temple amongst other temples where the Kathaks still perform at Sawan Festival. Mention was made of Kallu Kathak who had been a frequent performer at the temple.



Left: Raja Bimlendra Prasad Misra (centre) flanked by Dr Yatindra Misra and Shri DP Singh
Right: Mahant, Ratnesh ji and Mahant Mithilesh Nandinisharan ji



Above: Kanak Bhawan Temple Courtyard



Shovana Narayan *IA&AS retd*
Kathak Guru (Padmashri & central Sangeet Natak Akademi awardee)

Sultanpur: We met Kathak Ashok Maharaj who enlightened us on the family genealogy and spoke about the traditions of Kathaks who lived and practiced in small towns and villages. He threw light on the migration of Kathaks including that of Birju Maharaj’s forefathers. He, Ashok Maharaj was related to Pt Birju Maharaj. The visit was coordinated by Dr. Ramesh Kumar Shukla, SDM Sultanpur.



Left: SDM, Dr Shukla and Ashok Maharaj Kathak; Right: Record Room of Sultanpur DM’s Office



Above: images of Records in the Record Room of DM’s Office at Sultanpur

We went to the Old Records section in the DM’s office to look up land records relating to the surviving Kathaks of Sultanpur district.

At Village Lambhua, we met the family of late Kallu Maharaj, a Kathak, about whom the people of Ayodhya had mentioned.



Left: Entrance to the house of Kallu Kathak; Middle: Son and brother of late Kallu Kathak; Right: Land record



Shovana Narayan *IA&AS retd*
Kathak Guru (Padmashri & central Sangeet Natak Akademi awardee)

At Koiripur, we got an opportunity to witness the performance of rural Kathaks, family members of Ashok Maharaj. We were also informed about the manner of performance of a Kathak (or Kathik) in local Temple Festivals.



Above: performance of rural Kathak

Allahabad:

At Allahabad, assistance was received from (i) Mr. Rajesh Kumar Bharati – Tourist Information Officer, Allahabad, (ii) Mr. Dheerendra Pratap – SDM Handiya (dhiru.muir@gmail.com) & (iii) Mr. Vratsheel Sharma – Publicity Officer.

At Allahabad, we met and interviewed Mr. Ram Sevak Bhat, Head of Department-Dance, Prayag Sangeet Samiti.



Left: Ram Seval Bhat with Shovana Narayan & Geetika Kalha; Right: At the Sati Sthal in Kichakila Village, Handia

We then went to Kichakila Village in Handia Tehsil along with Kathak dancer Urmila Sharma and the SDM where we saw the Sati Chabutara where the great great grandmother of Pt Birju Maharaj had



Shovana Narayan *IA&AS retd*
Kathak Guru (Padmashri & central Sangeet Natak Akademi awardee)

committed sati. We also saw the village pond that was known by the name of Kathak Talab as it had been frequented by the Kathaks in the preceding centuries.



Left & Right: At Kichakila Village interaction with local villagers along with SDM Mr D Pratap



Left: Abandoned household implements of old Kathak families; Right: Kathaktar Talab (Pond)



Above: Newspaper reports about our visit to Kichakila Village, Handia

Varanasi:

We visited Hariharpur Village, Sadar Tehsil, Varanasi with Mr. Gupteshwar, (Rajswa Nirikshak)



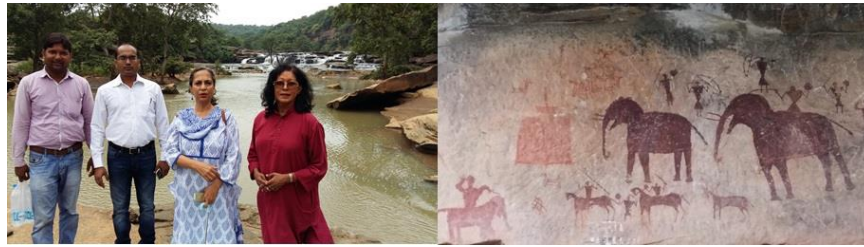
Shovana Narayan *IA&AS retd*
Kathak Guru (Padmashri & central Sangeet Natak Akademi awardee)

Thereafter we visited Hariharpur Village, District Azamgarh, and had a meeting with Mr. Pankaj (referred by Shri SK Mishra, retd IAS) and Pandit Shambhunath Mishra ji (family of Kathiks).



Above: Interaction with Pt Shambhunath Mishra at Hariharpur Village, Azamgarh District

Mirzapur:



Next day we went to Mirzapur Caves to see old pre-historic rock paintings of dance and Krishna throwing the discus. However, because of high waters, the upper reaches of the caves where supposedly these paintings are, were not accessible. The pre-historic paintings of the lower reaches could be seen.

(Shovana Narayan)



Shovana Narayan *IA&AS retd*
Kathak Guru (Padmashri & central Sangeet Natak Akademi awardee)

14th March 2017.

To,
The Secretary,
Sangeet Natak Akademi, (ICH Division)
2nd Floor, Rabindra Bhawan (Opp. Mandi House Doordarshan Kendra),
35 Feroze Shah Road, New Delhi -110001.

Subject: Third and Final Report on “Kathak Villages: Intangible Cultural Heritage of India: A Documentation Project” under ‘Safeguarding the Intangible Cultural Heritage and Diverse Cultural Traditions of India’ 2015-16

(Sanction No: 28-6/ICH-Scheme/ 21/2015-16 dated 27th January 2016)

Sir/ Madam,

Reference Sanction No: 28-6/ICH-Scheme/ 21/2015-16 dated 27th January 2016 regarding the project “Kathak Villages: Intangible Cultural Heritage of India: A Documentation Project” under ‘Safeguarding the Intangible Cultural Heritage and Diverse Cultural Traditions of India’ 2015-16, I am attaching/ enclosing herewith the **Third & Final Report** of the third phase of the Tour undertaken from 29th January till 3rd February 2017 **with respect to the Documentation of “Kathak Villages”**.

With this, I complete the task undertaken.

The final **compiled Report** on “Kathak Villages: Intangible Cultural Heritage of India: A Documentation Project” will be submitted by 30th September 2017 along with DVDs of material collected and of video recordings.

Statement of audited accounts will also be submitted in due course.

Kindly acknowledge receipt.

Thanking you,

Yours faithfully

(Shovana Narayan)



Shovana Narayan *IA&AS retd*
Kathak Guru (Padmashri & central Sangeet Natak Akademi awardee)

Field visit to Rajasthan was made from 29th January 2017 to 3rd February 2017 to map the Evolution of Kathak in this state that eventually led to the Jaipur Gharana of Kathak.

Jodhpur:

At Jodhpur, we met Maharaja Gaj Singh of Jodhpur who apprised us about the patronage that had been extended to performing arts by the Jodhpur Royal family. Through him, we saw records including the Haqeeqat Bahiyah at Mehrangarh Fort Archives. At the Fort Archives, Dr. Mahendra enlightened us on the role of bhagtans. These were women devotional artistes who performed around temple precincts. The difference between bhagtans, tawaifs and paturiyas was explained. The art of Nanhi Jaan Bhagtan and incidents relating to her life (for she had caught the fancy of the then Jodhpur Maharaja) and her role in the death of Swami Dayanand Saraswati, were dwelt upon. We also met Shri Mahendra Panwar, Secretary, Sangeet Natak akademi, Jodhpur and Shri Kuldeep Kothari, son of late Komal Kothari, Secretary, Rupayan Sansthan, both of whom apprised us about the development of classical music and dance in Rajasthan including the evolution of Kuchamani Khayal. It was mentioned that the dholis or nagarchis later took to Kathak art form. They postulated on the meaning of the words that made up 'ta thei' as follows: ta = tan (body); tha = thal (land); ee or I = Ishwar (Lord).

We also met Langa Hayaat Mohammed, Smt Durga Kamad who gave a demonstration of ghoomar, Govind Kalla who gave us an insight into the history of their form of art.

We also met Ghanshyam Ojha, Mayor of Jodhpur, who spoke about the festivities of Gang Shyam during Phag and at Kunj Bihari during Sawan. The development of Gair art was also discussed.

Pujari Rajendra Vaishnav from the Kunj Behari Temple stated that he was from the Brahmin Saad caste, categorized as OBC in Rajasthan. They performed rituals in the temples and also staged anecdotes from the lives of deities where they performed the role of women deities. These pujaris



Shovana Narayan IA&AS retd
Kathak Guru (Padmashri & central Sangeet Natak Akademi awardee)

received doli land from the local ruler. The music patronized was largely Dhrupad and Dhamar and that they were heavily influenced by the music traditions of Uttar Pradesh.

Bikaner:

At Bikaner, we visited the Bikaner State Archives that is the repository of all records relating to the erstwhile Royalties of Rajasthan. Therein we saw the records relating to 'guni jan khana' maintained by the Jaipur Royal House.

Sri Ganganagar:

At Sri Ganganagar, we met Pannalal Kathak who dwelt upon the history of the 'dholis' and the 'nagarchis' and their role in the service of the royalties. As per his narrative, these categories of artistes later became the Kathaks of Rajasthan. He also explained about the Rajputs clans and how dholis, nagarchis etc were also part of Rajputs.

Sujangarh:

At Sujangarh, we met the SDM, Shri Ajay Arya and Shri Bhati, former MLA. Shri Bhati was related to some of the Kathak families of Jaipur gharana. We were informed about the different families of dancers engaged in Kathak, most of them belonging to about 210 villages in the Churu-Sujangarh region, and their migration to various cities in search of livelihood and better prospects.

We visited the house of the brother of Madan Maharaj in village Lodhsar and talked to the family about practice of dance in their family. Land records of the village and the family holdings were seen. Similarly, we went to Village Badawar to the house of Naresh Kumar Gangani son of Bihari Lal Gangani and cousin of Rajendra Gangani. There too we were informed about how Kathak came into their family a couple of generations ago. The occupation and jati of his forefathers were seen in the land records.

Jaipur:



Shovana Narayan *IA&AS retd*
Kathak Guru (Padmashri & central Sangeet Natak Akademi awardee)

At Jaipur, through the efforts of Shikha, Secretary Jaipur Kathak Kendra, we had intensive interactions with Raj Kumar Javda s/o Kanhaiyalal Javda, Girdhari Lal Panwar s/o Laxmi Narayan Panwar, Dr Prem Dave, Dr Rekha Thakur, Dr Geeta Raghubir and Ms. Shashi Sankhla.

Next day we also had detailed discussions with Dr Pankaj Sharma, Chief Curator of Sawai Man Singh II Museum and also with the Mahant of Gobind Deo Temple. The Mahant informed us about the Vrindaban connection of the Gobind Deo temple of Jaipur and that all the Mahants were Goswamis from Vrindaban. He also mentioned that the practice of dance in this temple at Jaipur was of recent origin, not more than 30 years old. In addition, several records in the Sawai Man Singh II Museum at Jaipur were examined.

The visit was concluded with a meeting with the Addl Chief Secretary of Rajasthan, Shri NC Goyal.

Photos from the Tour (Phase 3)



Left: With Mahendra Panwar, Secy SNA, Kuldeep Kothari, Langa Hayaat Mohd.



Right: Ghoomar demonstration by Smt Durga Kamad.



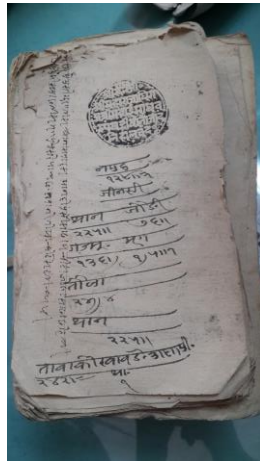
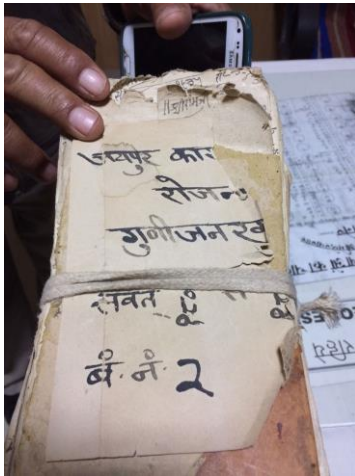
Shovana Narayan *IA&AS* *retd*
Kathak Guru (Padmashri & central Sangeet Natak Akademi awardee)



Left: With Maharaja Gaj Singh of Jodhpur.



Right: At Mehrangarh Fort Archives



Left & Middle: Records, Bikaner State Archives.



Right: News item in Sujangarh



With SDM Sujangarh, Shri Bhati (former MLA) and others at Sujangarh.



Right: With Pt Pannalal Kathak, Sri Ganganagar



Shovana Narayan *IA&AS retd*
Kathak Guru (Padmashri & central Sangeet Natak Akademi awardee)



Left: At house of the brother of Madan Maharaj in village Lodhsar

Right: At Village Badawar to the house of Naresh Kumar Gangani



Left: At Jaipur Kathak Kendra; Right: Meeting with the Mahant, Gobind Deo Temple, Jaipur.



Above: Meeting with Pankaj Sharma, Chief Curator,, Maharaja Sawai Mansingh II Museum.



Shovana Narayan *IA&AS retd*
Kathak Guru (Padmashri & central Sangeet Natak Akademi awardee)

23d July 2017

To,
Shri Mukesh Bandooni,
Sangeet Natak Akademi, (ICH Division)
2nd Floor, Rabindra Bhawan (Opp. Mandi House Doordarshan Kendra),
35 Feroze Shah Road, New Delhi -110001.
Phone: 23387246, Eztn.: 146, 175

Subject: Details of Report on “Kathak Villages: Intangible Cultural Heritage of India: A Documentation Project” under ‘Safeguarding the Intangible Cultural Heritage and Diverse Cultural Traditions of India’ 2015-16

(Sanction No: 28-6/ICH-Scheme/ 21/2015-16 dated 27th January 2016)

Dear Mr Bandooni,

With reference to your email dt 18th July 2017 wrt Sanction No: 28-6/ICH-Scheme/21/2015-16 dt 27th January 2016 regarding the project “Kathak Villages: Intangible Cultural Heritage of India: A Documentation Project” under 'Safeguarding the Intangible Cultural Heritage and Diverse Cultural Traditions of India' 2015-16, details of the Reports submitted are given below. Copies of the reports submitted are also attached herewith for ready reference.

In my third report submitted on 14th March 2017, I had mentioned that the final **compiled Report** on “Kathak Villages: Intangible Cultural Heritage of India: A Documentation Project” will be submitted by 30th September 2017 along with DVDs of material collected and of video recordings. I had also mentioned that the Statement of audited accounts will also be submitted in due course.

Kindly acknowledge receipt.

Thanking you,

Yours faithfully1

(Shovana Narayan)



Shovana Narayan *IA&AS retd*
Kathak Guru (Padmashri & central Sangeet Natak Akademi awardee)

**Details of the Reports submitted wrt “Kathak Villages: Intangible Cultural Heritage of India:
A Documentation Project” under ‘Safeguarding the Intangible Cultural Heritage and
Diverse Cultural Traditions of India’ 2015-16**

(Sanction No: 28-6/ICH-Scheme/ 21/2015-16 dated 27th January 2016)

Sr No.	Reports	Report and Date of Report	Remarks
1	First Report	Report of Phase 1 dated 16 th March 2016	Submitted to Secretary, SNA on 16 th March 2016
2	Second Report	Report of Phase 2 dated 5 th October 2016	Submitted to Secretary, SNA on 5 th October 2016
3	Third Report	Report of Phase 3 dated 14 th March 2017	Submitted to Secretary, SNA on 14 th March 2017
4	Final Report	Compiled Report	To be submitted on 30 th September 2017 (reference my letter to Secy SNA dt 14-3-2017).

(Shovana Narayan)